प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर में गाजर घास जागरूकता पर सप्ताहिक कार्यक्रम का शुभारम्भ

पंतनगर। 17 अगस्त, 2020। पंतनगर विश्वविद्यालय के एन. ई. बोरलॉग फसल अनुसंधान केन्द्र में अखिल भारतीय समन्वित खरपतवार प्रबंधन शोध परियोजना के अन्तर्गत वैश्विक कोरोना महामारी काल में सामाजिक दूरी का पालन करते हुए गाजर घास जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परियोजना समन्वयक एवं संयुक्त निदेशक, डा. वी. प्रताप सिंह ने गाजर घास के प्रकोप से होने वाले क्षतियों एवं उन्मूलन के बारे में जागरूक करते हुए बताया कि गाजर घास फसलों, मनुष्यों, पशुओं एवं वातावरण को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से नुकसान पहुंचाती है इससे मनुष्यों में त्वचा एवं श्वास संबधित रोग जैसे एग्जीमा, एलर्जी एवं अस्थमा रोग उत्पन्न हो जाते है। उन्होंने कहा कि पशुओं एवं मनुष्यों को रोग मुक्त करने के लिए गाजर घास का उन्मूलन पुष्पावस्था आने से पूर्व ही कर लेना चाहिए।

निदेशक शोध डा. ए.एस. नैन ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि इस जागरूकता कार्यक्रम को साप्ताहिक कार्यक्रम तक सीमित न रखे बल्कि अधिक जागरूकता के लिए वर्ष में 2 से 3 बार इस अभियान को चलाये। वैज्ञानिक डा. तेज प्रताप ने कहा कि गाजर घास को चटक चॉदनी, कांग्रेस घास एवं गंधी बूटी नामों से जाना जाता है। उन्होंने गाजर घास के नियंत्रण के लिए यांत्रिक, जैविक तथा रासायनिक विधि से नियंत्रण करने हेतु चर्चा की।

इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारम्भ खरपतवार वैज्ञानिक डा. एस.पी. सिंह ने गाजर घास जागरूकता अभियान के बारे में बताते हुए आगन्तुकों का स्वागत किया। इस अवसर पर डा. एस. के गुरू, ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये। अंत में डा. नैन ने उपस्थित जनों को मास्क एवं दास्ताने भी वितरित किये। उसके उपरान्त उपस्थित कर्मियों ने प्रक्षेत्र में उगे हुए गाजर घास को जड़ से उखाड़कर नष्ट किया, जिससे भविष्य में इसका प्रक्षेत्र में फैलाव न हो सके। इस कार्यक्रम में परियोजना के वैज्ञानिक, परियोजना सहायक, अन्य वैज्ञानिक तथा केन्द्र के कर्मचारी एवं श्रमिक सहित लगभग 60 लोग उपस्थित हुए।

गाजर घास जागरूकता एवं प्रबंधन सप्ताह के अन्तर्गत गाजर घास को जड़ से उखाड़कर नष्ट करते परियोजना के वैज्ञानिक व कर्मचारी।